Thirteenth Loksabha

Session : 11
Date : 18-12-2002
Participants : Singh Shri Chandra Nath ,Singh Shri Akhilesh ,Sinha Shri Yashwant

ont>

12.52 hrs.

Title: Regarding alleged indifferent attitude of the Indian Embassy officals towards the problems faced by Indian Nationals in Saudi Arabia and other foreign countries.

श्री चन्द्रनाथ सिंह (मछलीशहर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्िात करना चाहता हूं और विशो रूप से उल्लेख करना चाहता हूं कि प्रत्येक मुद्दे पर एन.डी.ए. की सरकार नाकाम और असफल रही है। अन्तर्राट्रीय मुद्दों पर भी हमारी एन.डी.ए. सरकार की यही स्थिति है। यहां माननीय विदेश मंत्री जी बैठे हुए हैं। यह सरकार अन्तर्राट्रीय नीति में भी एकदम असफल साबित हुई है। इसका कारण यह है कि बड़े-बड़े आई.एफ.एस. ऑफीसर, मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहता हूं, यहां नाम लेना उचित भी नहीं है, विदेश जाकर पैसा कमाने में लगे हैं। जो बड़े-बड़े अधिकारी विदेश मंत्रालय में बैठे हैं, वे बाहर जाकर विदेशी एम्बैसियों में भरपूर सुविधाएं और वेतन लेने का काम कर रहे हैं और केवल धन उगाहना और धन कमाना ही उनका एकमात्र उद्देश्य रह गया है। उन्हें विदेश में जिस देश की एम्बैसी में वे बैठे हैं, वहां बसे देश के नागरिकों की कोई चिन्ता नहीं है। वे वेतन ले रहे हैं और अन्ये तरीकों से अनाप-शनाप धन कमाने में लगे हुए हैं और बिजनैस कर रहे हैं।

महोदय, भारतीय मूल के अनेक नागरिक उन देशों में रह रहे हैं, लेकिन ये अधिकारी उनकी कोई हैल्प नहीं कर रहे हैं और न इनकी ओर से उन्हें कोई हैल्प मिलती है।

पासपोर्ट में अगर किसी को दिक्कत हुई तो हर देश से शिकायत आती है कि कोई बनाने वाला नहीं है। मैं एक उदाहरण देना चाहता हूं कि हमारे जिले के श्री आर.पी. सिंह हैं। वे अमरीका के मियामी शहर में हैं। उन्हें बैगेज की सप्लाई के लिए अमरीका में बहुत बड़ा कांट्रेक्ट मिला। उन्होंने इस संबंध में भारतीय ऐम्बेसी को लिखा कि हमें यह काम करना है इसलिए हमारी कुछ हैल्प होनी चाहिए। साल भर बीत गया लेकिन ऐम्बेसी की तरफ से कोई जवाब नहीं आया। उन्होंने चाइना ऐम्बेसी को लिखा तो चाइना ऐम्बेसी ने दूसरे दिन ही वहां जितने भी सप्लायर थे, उन सबकी लिस्ट दे दी तथा कांट्रेक्ट भी दे दिया। मैं कहना चाहता हूं कि अगर बैगेज की सप्लाई भारत देश करता तो हमें कितनी विदेशी मुद्रा मिलती।

मैं एक उदाहरण और देना चाहता हूं कि सउदी अरब में हमारे जो ऐम्बेस्टर बैठे हैं, वहां तमाम स्कूल हमारी भारत सरकार चला रही है। उस स्कूल में जो अधिकारी बैठे हैं। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया आप बैठिये।

…(व्यवधान)

श्री चन्द्रनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है। वहां अधिकारी केवल पैसा कमा रहे हैं। वहां से तमाम शिकायतें आयी हैं। मैं विदेश मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि वहां हमारे जो भारतीय लोग हैं, हमारे क्षेत्र के रहने वाले लोग हैं, उन्होंने शिकायत की है कि वहां ऐम्बेसी पूरी तरह से भ्रट हो चुकी है। हमारे नागरिकों को कोई मदद नहीं मिल रही है। मैं आपके माध्यम से यह भी कहना चाहता हूं कि सउदी अरब में विद्यालय के मैनेजमैंट का इलैक्शन हुआ है। …(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, विदेश मंत्री जी इसका जवाब दें। …(व्यवधान)

श्री चन्द्रनाथ सिंह : मैंने विदेश मंत्री जी को उस इलैक्शन के संबंध में एक चिट्ठी भी लिखी है। वे जवाब दें कि वहां पर जो इलैक्शन हुआ है, क्या उसमें धांधली हुई है। ऐसी कई शिकायतें वहां पर मिली हैं। यह बहुत गंभीर मामला है। अगर वहां पर अधिकारी बैठकर पैसा कमायेंगे …(व्यवधान) हमारा कहना है कि सउदी अरब में भारतीय नागरिक बहुत ज्यादा हैं। अगर उनको दिक्कत होती है, उनका उत्पीड़न होता है और उनका कोई कार्य नहीं होता तो यह बड़े दुख की बात है। केवल ऐम्बेसी के लोग अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का काम करें तो यह ठीक नहीं है। मैं किसी भी अधिकारी का नाम नहीं लेना चाहता लेकिन इंग्लैंड में एक अधिकारी ने भारतीय पैसे से अपनी कोठी बना ली है। …(व्यवधान)

क्या मंत्री जी इसकी जांच करायेंगे ? यह बहुत गंभीर मामला है। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : माननीय मंत्री जी, क्या आप कुछ कहना चाहते हैं ?

…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये।

…(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : माननीय मंत्री जी, यह अनुभव केवल इनका ही नहीं है। हम सभी का यही अनुभव है। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सबको बोलने की जरूरत नहीं है, एक ही माननीय सदस्य के बोलने से चलेगा।

…(व्यवधान)

श्री चन्द्रनाथ सिंह : मैं विशो रूप से उल्लेख करना चाहता हूं कि सउदी अरब की ऐम्बेसी में जो गड़बड़ हो रही है। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मंत्री जी जब बोल रहे हैं तब भी आप बोलना चालू रखते हैं। ऐसे कैसे चलेगा ?

…(व्यवधान)

विदेश मंत्री (श्री यशवंत सिन्हा) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य दो विशिट बातें हमारे ध्यान में लाये हैं। पहला, एक पत्र किसी ने भेजा था जिनमें उनका कहना है कि वाशिंगटन में जो हमारा दूतावास है, वहां से साल भर तक कोई जवाब नहीं आया जबकि चीन के दूतावास से दूसरे दिन ही जवाब आ गया। दूसरा, सउदी अरब में स्कूल के बारे में इन्होंने कहा है। अब दोनों विशिट सूचनायें हैं। मेरा कहना है कि जिस व्यक्ति ने पत्र लिखा था, उसका नाम और उन्होंने कब पत्र दिया था, ये सब अतिरिक्त सूचनायें आप हमें उपलब्ध करा दें तो निश्चित रूप से हम उसकी जांच करायेंगे।

मैं एक बात कहना चाहता हूं कि हम यहां पर मामले उठाते हैं लेकिन किसी एक पूरे संवर्ग, हमारे पूरे इंडियन फॉरेन सर्विस के बारे में यह कहना कि वह बेकार है, निकम्मा है, कोई काम नहीं करता और सब पैसे बना रहे हैं, तो मुझे लगता है कि …(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : आपको पुराने संवर्ग का मोह हो गया है। …(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : फॉरेन सर्विस हमारा पुराना संवर्ग नहीं है। मैं एक दायित्व की बात कर रहा हूं, एक इंसाफ की बात कर रहा हूं कि सारे संवर्ग को हम एक ही तरह से कंडम कर दें, धिक्कार दें, यह अपने आप में उचित नहीं है। …(व्यवधान) जो विशिट बात है, उस संबंध में आप मुझे सूचना दे दें। मैं अवश्य उस पर कार्यवाही करूंगा। …(व्यवधान)

मैं आज मंत्री हूं, कल नहीं था और कल नहीं रहूंगा लेकिन मुझे भी विदेश जाने का मौका मिलता रहा है। मैं बिल्कुल साधारण नागरिक की हैसियत से जाता रहा हूं। …(व्यवधान)

श्री चन्द्रनाथ सिंह : आप बड़े मंत्री हैं। ...(व्यवधान)

श्री यशवन्त सिन्हा : बड़े और छोटे मंत्री का सवाल नहीं है । मैं यह कह रहा हूं कि कभी भी इस तरह की बात हो कि मैम्बर ऑफ पार्लियामैंट जायें तो उसके साथ नाजायज बात हो, गैरइंसाफी की बात हो, मैं समझता हूं कि साधारणतः यह नहीं होता है और अगर होता है तो उस पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही भी हम करते हैं। इसलिए मेरा आपसे निवेदन होगा कि जो विशिट बातें आप मेरे ध्यान में लाये हैं, उस पर हम कार्रवाई करेंगे लेकिन यह एक अच्छा कैडर है इसलिए पूरे कैडर को हम यहां कंडम न करें। ...(व्यवधान)

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर) : आप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। ...(व्यवधान)